शिक्षक ने बाढ़ पीड़ितों को दिया एक माह का वेतन

माई झुं. न्यूज। बिहार बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ राजकीय बालिका उच्च प्रा. विद्यालय नवलगढ़ के प्रधानाध्यापक सुल्तानसिंह केरोडिया ने अपना मूल वेतन सात हजार रुपये का चैक जिला कलेक्टर टी.रविकान्त को भेंट किया। विदित है कि शिक्षक सुल्तानसिंह शिक्षा, समाज सेवा व अन्य कार्यों के लिए सम्मानित हो चुके है तथा इन्होंने 1995 में अपनी वेतन राशि की बचत से 51 हजार रुपये स्कूल भवन की रिपेयर में भी खर्च किये थे।

दादाबाड़ी वार्षिकोत्सव पर निकाली शोभायात्रा

माई झुं. 10 सितम्बर। दादा बाड़ी के वार्षिकोत्सव पर जैन समाज की ओर से बुधवार को शोभायात्रा निकाली गई। जैन मंदिर से शोभायात्रा प्रारम्भ हुई जो कि शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दादाबाड़ी पहुंची। दो दिवसीय वार्षिकोत्सव समारोह में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन जैन समाज की ओर से किया गया।

मंगलवार प्रथम दिवस पर श्रीगुरुदेव की बड़ी पूजा पिंकी श्रीमाली द्वारा की गई। रात्रि जागरण में जयपुर से आये संजय पारीक ने शानदार एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किये। उपस्थित श्रोता भजनों पर भाव विभोर हुए बिना नहीं रहे। इस अवसर पर प्रसाद वितरण देहली के सुरेन्द्र जैन की ओर से किया गया। बुधवार प्रात: मुम्बई प्रवासी कुशलचन्द जैन ने झण्डारोहण किया। मंदिर में दिनभर दादा श्री जिनकुशलन सुरी की विधि विधान से पूजा अर्चना हुई। इस अवसर पर सायंकाल लगे मेले में विभिन्न प्रकार की स्टालों पर महिलाओं व बच्चों ने खरीददारी की। बड़ी पूजा के साथ कार्यक्रम का समापन तथा प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष वीर बहादुर जैन, सचिव सुशील जैन, कोषाध्यक्ष कस्तानचन्द जैन, परपतसिंह जैन, रामचन्द्र जैन, विजयजैन, लालबहादुर जैन, कैलाशजैन सहित अन्यजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जीवेम में हिन्दी दिवस मनाया

माई झुं. न्यूज। जीवेम समूह की समस्त शैक्षणिक इकाईयों में हिन्दी दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। विज्डम सिटी स्थित झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई स्कूल में प्रधानाचार्य डॉ. रविन्द्र सिंह शेखावत ने हिन्दी भाषा के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

हिन्दी व्याख्याता गौरीशंकर जांगिड़, अशोक मान ने अपने विचार प्रकट किए। समारोह में वाइस प्रिंसीपल रवि शंकर शर्मा, सीईओ सुनील शर्मा भी उपस्थित थे। गौशाला रोड स्थित न्यू झुंझुनूं एकेडमी में प्रधानाचार्य मोहनलाल धायल ने हिन्दी भाषा को अमूल्य बताते हुए कहा कि हमें इस भाषा का सम्मान करना चाहिए और रोजमर्रा के काम काजों में हिन्दी का ही प्रयोग किया जाना चाहिए।

मोदी रोड स्थित झुंझुनूं इंटरनेशनल स्कूल में हिन्दी दिवस प्रधानाचार्या श्रीमती सुनीता मिश्रा एवं वाईस प्रिंसीपल सोमेश भारद्वाज की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक मनाया गया। विद्यार्थियों के नाम अपने संदेश में जीवेम समूह के चेयरमैन दिलीप मोदी ने जीवन में हिन्दी भाषा के महत्त्व को समझाते हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि हमें यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि हम हिन्दी भाषी राष्ट्र से हैं तथा हिन्दी ही हमारी राष्ट्र भाषा है।

वृक्षारोपण से ही पर्यावरण का सौन्दर्य-एसपी शर्मा

फोटो : रामनिवास सोनी

माई झुं. 8 सितम्बर। महावीर इन्टरनेशनल झुंझुनूं के तत्वावधान में पंचवटी स्टोन केशर कम्पनी व जय हिन्दुस्तान स्टोन क्रेसर कम्पनी के आर्थिक सहयोग से अहिंसा सर्किल से मोतीलाल कॉलेज स्टेडियम के पास जिला पुलिस अधीक्षक के करकमलों से 51 टी गार्ड व वृक्षारोपण किये गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि वृक्षारोपण करने से पर्यावरण शुद्ध व सुन्दर बनता है। प्रत्येक व्यक्ति को संकल्प के साथ वृक्षारोपण करना चाहिए और उसकी परिवरिश का जिम्मा लेना चाहिए। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष पी.एल. शर्मा, सचिव गोविन्द कुमावत, ओमप्रकाश आबूसरिया, देवेन्द्र खत्री, बी.के. अग्रवाल, ए.एन. द्विवेदी, रामनिवास सोनी, जाहिद अली खोखर सहित वीर सदस्यों ने भी वृक्षारोपण किया।

अड़ूका में अजाजजा आयोग चेयरमैन सुंदरलाल का अभिनंदन

चिड़ावा, 31 अगस्त । अजाजजा आयोग के चेयरमैन और सूरजगढ़ विधायक सुंदरलाल का समीपवर्ती अड़ूका गांव की डालमिया की ढाणी में अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सेवा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए ट्यूबवैल का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष पूनियां ने की। इससे पहले भाजपा जिला कोषाध्यक्ष कैलाशचंद्र डाडा, चिड़ावा कृषि उपज मंडी उपाध्यक्ष अशोक मालानी, भाजयुमो चिड़ावा अध्यक्ष महेंद्र मोदी, शोभानंद बुडानिया, पूर्व सरपंच जयनारायण आर्य, पार्षद सुरेश जलिंद्रा, बनवारीलाल मावंडिया, कमलेश मालानी, अनिल रामभरोसा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया और उपाध्यक्ष अमरसिंह तंवर ने सुंदरलाल को अभिनंदन पत्र भेंट किया। कार्यक्रम में चिड़ावा भाजपा अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र और सूरजगढ़ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा ने भी विचार रखे। इस अवसर पर सुंदरलाल को ग्रामीणों ने लड्डुओं से भी तोला।

बिड़ला का संघर्ष और ईमानदारी ताउम्र प्रेरणा देगा

चिड़ावा, 31 अगस्त । युवा अग्रवाल समाज के जिलाध्यक्ष विष्णु चौधरी और युवा वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष अनुज भगेरिया ने कहा है कि प्रसिद्ध उद्योगपति और समाजसेवी के साथ-साथ शिक्षा की अलख जगाने वाले केके बिड़ला ने अपने जीवनकाल में जो संघर्ष और ईमानदारी का परिचय दिया है वह युवाओं को ताउम्र प्रेरणा देता रहेगा। वे रविवार को पुरानी नगरपालिका रोड़ स्थित अग्रवाल भवन में शोक सभा में विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिड़ला ने पिलानी का नाम विश्व में रोशन करने के साथ उद्योग जगत में जो नाम कमाया। उसके कारण शेखावाटी हमेशा उनकी ऋणी रहेगी। इस अवसर पर युवा वैश्य समाज के जिला महामंत्री कमलेश मालानी ने बिड़ला द्वारा किए गए कार्यों और उपलब्धियां का बखान करते हुए उनके जीवन के सिद्धांतों को आत्मसात करने की बात कही। इस अवसर पर युवा अग्रवाल समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल भगेरिया ने भी अपने विचार रखे। सभा के अंत में दो मिनट का मौन धारण कर बिड़ला को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर युवा अग्रवाल समाज के नगर अध्यक्ष महेंद्र मोदी, युवा अग्रवाल समाज के जिला कोषाध्यक्ष राकेश बाछुका, युवा वैश्य समाज के नगर अध्यक्ष अमित गोयल बर्फवाला, अनिल मालानी, अनिल रामभरोसा, विकास टीबड़ेवाल, सौरभ बाछुका, विकास गुप्ता और इंद्र सूरजगढ़िया सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

...अब बेटिया जाएंगी जापान शिक्षा विभाग ने प्रस्ताव मांगे

जयपुर, 25 सितम्बर। शैक्षिक दृष्टि से प्रतिभावान सामान्य वर्ग की छात्राओं को राज्य सरकार द्वारा जापान की यात्रा करवाई जाएगी। शिक्षा विभाग की ओर से जापान पूर्वी एशिया के छात्रों का आदान प्रदान एवं युवा कार्यक्रम के तहत डूंगरपुर जिले से भी सामान्य वर्ग की प्रतिभावान छात्राओं के प्रस्ताव तत्काल प्रभाव से वाहक स्तर पर भेजने के निर्देश दिए गए है।

जिले की कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत सामान्य वर्ग की छात्राओं को जापान भेजने की इस योजना के तहत ऐसी छात्राओं के नाम आमंत्रित किए गए हैं जिन्होंने सत्र 2007-08 में कक्षा 8, 9, 10 अथवा 11 में पढ़ते हुए 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हो तथा शैक्षिक दृष्टि से विद्यालय/जिले/राज्य/बोर्ड में स्थान हो तथा खेलकूद में विद्यालय/जिला/राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर स्थान प्राप्त किया हो। इसी प्रकार सांस्कृतिक व वाद विवाद, क्विज अथवा अन्य साहित्यिक गतिविधियों विद्यालय/जिला/राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएं भी इसकी पात्र होंग। सामान्य वर्ग की इन योग्यताधारी छात्राओं के नाम वाहक स्तर पर भेजने के लिए समस्त संस्था प्रधानों को निर्देशित कर दिया गया है और पाबन्द किया गया है कि यदि कोई भी पात्र बालिका इस योजना से वंचित रह जाती है तो समस्त जिम्मेदारी संबंधित शाला प्रधान की होगी।

झुंझुनू नगरपालिका क्रमोन्नत:

राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप झुंझुनू नगरपालिका को नगर परिषद के रूप में क्रमोन्नत कर दिया है। इस क्रमोन्नति के साथ ही अधिशासी अधिकारी का पद आयुक्त के रूप में तथा पालिकाध्यक्ष का पद परिषद सभापति के रूप में क्रमोन्नत हो गया है।

अक्टूबर माह के व्रतोत्सव पर्व-महावीर प्रसाद शर्मा

अक्टूबर माह आश्विन शुक्ल पक्ष के शारदीय नवरात्रा घट स्थान से प्रारम्भ हो रहा है। यह पर्व 30 सितम्बर मंगलवार से प्रारम्भ होकर 8 अक्टूबर आश्विन शुक्ला नवमी बुधवार को महानवमी के साथ नवरात्रा समापन एवं सरस्वती आयुध, अपराजिता शर्मा पूजन के साथ समाप्त होगा।

30 सितम्बर को अग्रवाल बन्धुओं के आराध्य अग्रसेनजी की जयंती पर उतसव मनाये जायेंगे। आश्विन मास का कृष्णपक्ष पितृपक्ष रहता है जब सूर्य कन्या राशि में आता है तब कन्यागते सवितारि इस वचनानुसार श्राद्ध पक्ष प्रारम्भ होकर अमावस्या तक रहता है। इस बार के श्राद्धपक्ष में प्रौष्ठपदी पूर्णिमा का श्राद्ध भी अमावस्या को होगा क्योंकि सूर्य कन्या राशि मे प्रतिपदा को आया था तभी से महालय श्राद्ध पक्ष प्रारम्भ माना जाता है।

शारदीय नवरात्र पूजा विजयादशमी शरतपूर्णिमा ये तीन पर्व परस्पर सूत्र में आबद्ध है। अतएव आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से पूर्णिमा तक के पक्ष को शास्त्रों में देवी-पक्ष कहा गया है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से अमावस्या तक को पितृपक्ष कहा गया है। इसलिये पहले पितरों के श्राद्ध तर्पण के उपरान्त देवीपक्ष प्रारम्भ होता है। माता-पिता के प्रसन्न होने से सभी देवता प्रसन्न होते हैं।

सामान्यत: नवरात्र चार है 1. चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से दशमी तक 2. आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा से दशमी तक (इसी नवरात्र बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी देवोत्थान-प्रबोधिनी एकादशी) तथा माघ शुक्ल प्रतिपदा से दशमी तक सारस्वत नवरात्र।

'शयनाख्य' और 'बोधनाख्य' नामक दो नवरात्र होते है। शयनाख्य वासन्ती एव बोधनाख्य आश्विन मासीय शारदीय नवरात्र कहलाते हैं। रूद्रयामल तंत्र में कहा गया है- नवशक्ति समायुक्तां नवरात्रं तदुच्यते नौ शक्तियों से युक्त होने से इसे नवरात्र कहा गया है। नवभि: रात्रिभि: सम्पद्यते य: स नवरात्र: । नवधा भक्ति नवग्रह रामनवमी, सीतानवमी ये सभी नौ शब्दों की महत्ता के द्योतक है। अत: शारदीय नवरात्र पूजा सीमातीत फलदायिका है। दुर्गा शब्दार्थ देवी पुराण के अनुसार दुर्गा शब्द के कार दैत्यनाशक उ'कार विध्ननाशक 'रेफ' रोगनाशक 'ग' कार पापनाशक तथा आकार भय शत्रुनाशक है। अतएव दुर्गा 'दुर्गतिनाशिनी' है।

विजयादशमी के प्रात: काल अपराजिकता-लता का पूजन होता है। पूजा-प्रार्थना के बाद विसर्जन, जयन्ती-धारण अपराजिता धारण आदि कृत्य होते है। इसके बाद उक्त कलश जल से उसी पञ्चपल्लव से महाभिषेक किया जाता है। इस तरह विजया दशमी कृत्य सम्पन्न होता है।

विजया दशमी को हनुमदध्वजारोपण किया जाता है क्योंकि हनुमानजी को विजय पताका ध्वज के अर्पण के बिना राम का प्रस्थान सम्भव नहीं है। यह पर्व श्रीराम के विजय के लिये प्रस्थान का पर्व है। सर्व प्रथम भगवान श्रीराम ने इस शारदीय ने इस शारदीय नवरात्र का प्रारम्भ समुद्र तट पर किया था। अतएव यह राजस पूजा है। इसके बाद भगवान ने विजयादशमी के दिन लंका विजय के लिये प्रस्थान किया-

अथ विजय दशम्याश्विने शुक्लपक्षे।
दशमुख निधनाय प्रस्थितो रामचन्द्र:।
द्विरदविधु महाब्जैर्यूथनाथै स्त्थाडन्यै:
कपिभिर परिमाणै र्व्याप्त भूदिक्खचक्रै:॥
(हनुमन्नाटक)

इस महापूजा की वैज्ञानिकता इससे स्पष्ट है कि शरद और वसन्त नामके दो भयंकर दानव विभिन्न रोगों के कारण हैं। इन ऋतु परिवर्तनों के समय विभिन्न रोग-महामारी, ज्वर शीतला कफ, खाँसी कफ आदि के निवारणार्थ शारदीय तथा वासन्ती ये दो नवरात्र दुर्गा पूजा के लिये प्रशस्त है।

कोजागर व्रत : यह व्रत आश्विन पूर्णिमा को कियाक जाता है। इस पूर्णिमा को भगवती महालक्ष्मी रात्रि में यह देखने के लिये घूमती है कि कौन जाग रहा है। जो जाग रहा है। उसे धन देती है। लक्ष्मीजी के को जागर्ति कहने के कारण इस व्रत का नाम कोजागर पड़ा है। इस दिन श्रीसूक्त लक्ष्मीस्त्रोत्र का पाठ ब्राह्मण द्वारा कराकर कमल गट्टा बेल या पञ्चमेवा अथवा खीर द्वारा दशांश हवन कराना चाहिये। आशविन मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा शरत्पूर्णिमा कहलाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने इसी तिथि को रासलीला की थी इसे रामोत्सव या कौमुदी महोत्सव भी कहते है। अर्धरात्रि के समय गो दुग्ध से बनी खीर का भगवान को भोग लगाना चाहिये।

इस तरह से आश्विन शुक्लपक्ष के व्रतोत्सव के विवरण सम्पन्न हुए।

पं. महावीर प्रसाद पारीक
एम.ए. संस्कृत बी.एड. बीदासर

परिपूर्ण योग चिकित्सा पद्धति

माई झुं. न्यूज। योग एक अति प्राचीन विधि है। जिसका सीधा सम्बन्ध हमारे शरीर से है इस योग विधा से मनुष्य के तीनों शरीरों 1. स्थूल 2. सूक्ष्म 3. कारण आदि के समस्त दोष दूर हो जाते है। हमारे इस शरीर के भीतर पंच (पांच) कोष है। जैसे प्याज के अन्दर एक एक परत खूलती जाती है वैसे ही इस शरीर के भीतर भी पांच कोष है। इन को ठीक रखने के लिए महर्षि पंतजली महाराज ने अष्टांग योग का वर्णन किया। 1. यम 2. नियम 3. आसन, 4. प्रणायाम 5. प्रत्याहार 6. धारणा 7. ध्यान 8. समाधी। लेकिन आज का योग केवल आसन व प्राणायाम पर आकर टिक गया अगर हमें सम्पूर्ण शरीर (तीनों शरीर) पंच कोषों को ठीक रखना है, स्वस्थ रखना है तो हमें योग के ये आठों अंग अपनाने पड़ेंगे। न अकेले आसन से काम चलेगा, न प्राणायाम से न यम, नियम से बल्कि आठों को अपनाना पड़ेगा। इसी का नाम परिपूर्ण योग चिकित्सा पद्धति है-

पंच कोष : 1. अन्नमय कोष, 2. आनन्दमय कोष, 3. मनोमय कोष, 4. विज्ञानमय कोष, 5. प्राण मय कोष

1. अन्नमय कोष में स्थूल शरीर (पंचभूत) जल, वायु, पृथ्वी, अग्नि, आकाश आदि तत्व होते है।
2. आनन्दमय कोष में कारण शरीर में तत्व स्थूल व सूक्ष्म शरीर का कारण ही कारण शरीर है।
3. मनोमय कोष, 4. विज्ञानमय कोष, 5. प्राण मय कोष में सूक्ष्म शरीर में 19 तत्वों का बना होता है। पांच कर्मेन्द्रि, पांच ज्ञानेन्द्रि, पांच प्राण, मन, बुद्धि, अहंकार, और अन्त:करण।

ये सब मिलकर हमारा सम्पूर्ण शरीर बनता है। मृत्यु व सवासन में स्थूल शरीर छूट जाता है। सूक्ष्म शरीर नष्ट नहीं होता वह मृत्यु के बाद भी बना रहता है। ध्यान में सूक्ष्म शरीर छूट जाता है। केवल सूक्ष्म व स्थूल के पैदा होने का कारण मात्र रह जाता है। समाधी में स्थूल सूक्ष्म शरीर के पैदा होने का कारण भी छूट जाता है जिसे मोक्ष कहा गया है।

1. अन्नमय कोष :दोष निर्दोष - तमासिक-सात्विक असंतुलित-संतुलित, इसे आसन, क्रिया, शिथिलिकरण, सूर्यनमस्कार भोजन इनके द्वारा ठीक किया जा सकता है।
2. प्राणमयकोष : मदोष निर्दोष -मूल तत्व प्राण होता है। जिसे क्रिया, क्रपालभांति, दोष-तेज, धीमा श्वासन, प्राणायाम अंसतुलन-संतुलन क्यूआरटी के द्वारा ठीक किया जा सकता है।
3. मनोमय कोष: दोष निर्दोष -मन के रोग होना चाहिए उपाय धारणा, ध्यान अशांत-शांत स्थिर समाधि-D.R.T., M.E.T., M.S.R.T.
4. विज्ञानमय कोष : दोष निर्दोष -अज्ञान या जानकारियां का अभाव जिसे स्वाध्याय,सतसंग ध्यान व समाधि द्वारा ठीक किया जा सकता है।
5. आनन्दमय कोष : दोष निर्दोष -मुख्य दोष होता है दु:ख जिसे आनन्द मेला-कर्मयोग, प्रकृति का साथ, त्याग सेवा समाधि द्वारा ठीक किया जा सकता है।

इस प्रकार हम पंचकोषों व तीनों शरीरों के दोषों को दूर कर स्वस्थ रह सकते है व मोक्ष की प्राप्ति कर सकते है। यही परिपूर्ण योग चिकित्सा पद्धति है।

आचार्य हरिसिंह रोहिल्ला-योग
प्रा.चिकित्सा
अग्रसेन भवन झुंझुनूं मो. 09828486899

झुंझुनू-सीकर में वार विडो हॉस्टल के लिए एक करोड रूपये जारी - बाजौर

झुंझुनू, १८ सितम्बर: राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर ने मुख्यमंत्री की शुक्रवार को होने वाली झुंझुनू यात्रा के सम्बन्ध में गुरूवार की शाम यहां मीडिया प्रतिनिधियों से वार्ता की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे शुक्रवार को झुंझुनू के स्वर्ण जयन्ती स्टेडियम में पूर्व सैनिकों की जिस रैली को सम्बोधित करेंगी उसमें राजस्थान के सभी जिलों के गौरव सैनानी हिस्सा लेंगे।

उन्होंने बताया कि राज्य की वर्तमान सरकार ने अपने कार्यकाल में पूर्व सैनिकों के कल्याणार्थ जितने काम किये हैं उतने आजादी के बाद इससे पूर्व नहीं किये गये। उन्होंने बताया कि सीकर और झुंझुनू में प्रस्तावित वार विडो हॉस्टल निर्माण के लिए राज्य सरकार ने अपने हिस्से की ५०-५० लाख रूपये की राशि जारी कर दी है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सैनिक मतदाताओं के लिए लागू प्रॉक्सी मतदान की प्रक्रिया को सरल बनाने सम्बन्धी निवेदन पत्र भारत सरकार व निर्वाचन आयोग को भिजवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सैनिक कल्याणार्थ वर्तमान सरकार द्वारा किये गये कार्यों की केन्द्र ने भी सराहना की है।

इस अवसर पर बीसूका की जिला उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष अहलावत, पूर्व विधायक डॉ. मूलसिंह शेखावत, नवलगढ व झुंझुनू कृषि उपज मण्डी समिति के अध्यक्ष क्रमश: शुभकरण चौधरी व मालीराम नैण तथा विश्वम्भर पूनिया, सुभाष पूनिया, रतन सिंह तंवर, महेश जीनगर आदि भी उपस्थित थे।

नवलगढ़ में महाराजा अग्रसेन जी मूर्ति अनावरण समारोह सम्पन्न

माई झुं. 1 सितम्बर। श्री वैश्य समाज सुधार समिति नवलगढ़ के तत्वावधान में श्रीगणेशदास मानसिंहका धर्मशाला परिसर में महाराजा अग्रसेन की मूर्ति स्थापित कर उसका अनावरण प्रसिद्ध समाज सेवी एवं उद्योगपति सज्जन गोयनका के कर कमलों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बनवारीलाल डंगायच ने की। सर्वप्रथम संस्था अध्यक्ष श्रीगोपाल झुंझुनूंवाला एवं मुख्य अतिथि सज्जन गोयनका द्वारा मूर्ति स्थापना पूजा की रस्म अदा कर कार्यक्र का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के उपमहामंत्री श्रीकान्त मुरारका ने महाराजा अग्रसेन के जीवन आदर्शों का वर्णन करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन अगव्राल समाज के ही नहीं सर्वसमाज के प्रेरणा स्रोत हैं। मुरारका ने समाज बन्धओं से समाज सेवा में अग्रणी रहने की अपील की। अग्रोहा विकास ट्रस्ट के प्रदेश उपाध्यक्ष रामगोपाल गुप्ता ने संगठन शक्ति का महत्त्व बताते हुए समाज को संगठित होने का आह्वान किया। गोयनका ने मुख्य अतिथि पद से सम्बोधित करते हुए कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज एक ऐसा समाज है, जिसका अन्य समाज अनुकरण करते हैं। वर्तमान में युवा पीढी एवं मातृ शक्ति को सगठन से जोड़ने की आवश्यकता है। इन सभी का सामंजस्य होने से ही देश व समाज प्रगति कर सकेगा।

समारोह को हरीश परसरामपुरिया, श्रीमती उषा गुप्ता, कुमारी विजय लक्ष्मी मुरारका, डॉ. आर.के. जैन ने भी सम्बोधित किया। संस्था अध्यक्ष श्रीगोपाल झुंझुनूंवाला ने स्वागत भाषण एवं पवनकुमार भगत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।